रजिस्ट्रेषन संख्या :– R.N.I. 36355 / 79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67 / 2021–23

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127 / 204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

वर्ष – 44 ● अंक – 2 ● कानपुर 16 से 31 जनवरी 2022 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अविष्कारक

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी का 213 वाँ

जन्मोत्सव धूम–धाम से सम्पन्न

वर्ष भर चलेगा जनजागरुकता अभियान

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी का 213 वाँ जन्मोत्सव समारोह बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 के सभागार में आयोजित हुआ कार्यक्रम का प्रारम्भ बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने डा0 मैटी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया डा0 इदरीसी ने कहा कि आज प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की स्थिति काफी सुदृढ़ है जिन लोगों के मध्य अभी भी जागरूकता का अभाव है उन्हें हम पुनः जागरूक करने का प्रयास करेंगे पूरे वर्ष जन जागरूकता अभियान चलाया जायेगा जिसके अन्तर्गत चिकित्सा शिविरों आदि का आयोजन किया जायेगा तथा चिकित्सा कर रहे चिकित्सकों के क्लीनिकों पर भी पोस्टर आदि के माध्यम से जनमानस को इलेक्ट्रो होम्योपैथी की उपादेयता के सम्बन्ध में बताया जायेगा जिससे वे स्पष्ट रूप से जान सके कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी होम्योपैथी नहीं है तथा इलेक्ट्रो होम्योपैथी द्वारा इलाज में किसी डिवाइस आदि का प्रयोग नहीं किया जाता है, पोस्टरों आदि में स्पष्ट रूप से यह भी उल्लेख किया जायेगा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी पूर्ण सुरक्षित एवं हानिरहित चिकित्सा पद्धति है, बोर्ड के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद ने डा0 मैटी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए आज की स्थिति पर अपने विचार दिये उन्होंनें कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की प्रासंगिकता बनाये रखने के लिए आवश्यक है कि अधिक से अधिक संख्या में चिकित्सक इसी विधा से चिकित्सा व्यवसाय कर जनता को स्वास्थ्य लाभ दे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डा0 इकबाल अहमद अन्सारी ने कहा कि कोई भी वस्तु आसानी से प्राप्त नहीं होती है उसके लिए सतत प्रयास करने होते हैं और यही प्रयास रंग लाते हैं, इलेक्ट्रो होम्योपैथी दिन प्रतिदिन विकसित हो रही है परन्तु इसका वास्तविक विकास हम तभी मानेंगे जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए सामान्य जन से लेकर हर वर्ग का व्यक्ति इस चिकित्सा पद्धति को स्वीकारने लगे संकेत अच्छे आ रहे हैं परिणाम भी अच्छे आयेंगे, डा0 संजय कुमार द्विवेदी ने कहा कि सही दिशा में किया गया चिन्तन

सही परिणाम देते है आज हमें परिणामों की चिन्ता किये बगैर कार्य के पथ पर अग्रसर रहना चाहिये, डा0 राम औतार कुशवाहा ने डा0 मैटी का विस्तृत जीवन परिचय बताते हुए उनके परिवार एवं व्यवसाय के बारे में भी बताया, डा0 वाई 0 आई0 खान ने अपने उदबोधन में डा0 नन्दलाल सिन्हा द्वारा चिकित्सा करने के सम्बन्ध में बताते हुए कहा कि डा0 सिन्हा एक निर्भीक चिकित्सक थे और वह चुनौती पूर्ण चिकित्सा करते थे जिसका ही परिणाम है कि आज देश में हज़ारों की संख्या में इलेक्ट्रो होम्योपैथी में लोग कैन्सर जैसे रोग का इलाज करने का दावा कर रहे हैं हम इलेक्ट्रो होम्योपैथी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं इसी क्रम में बुन्देलखण्ड इलेक्ट्रो होम्यो – पैथिक इन्सटीट्यूट के पूर्व प्राचार्य डा0 प्रमोद सिंह ने भी अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किये, डा0 राम सरन भारती ने अपने विचार व्यक्त करते हुए अपने द्वारा ठीक किये गये कैन्सर के रोगियों के बारे बताया कि उनके द्वारा अनेक कैन्सर रोगियों के रोग को ठीक किया गया है और अभी भी बहुत से रोगी उनके इलाज में है।

इस अवसर पर शिमला (हिमाचंल प्रदेश) से पधारे पास्टर विक्टर खोजी ने जन्मदिन का केक कटवाया जिसे श्रीमती शाहीना इदरीसी व श्री इदरीसी ने उपस्थित जनसमूह के बीच काटा फिर प्रार्थना हुई, कार्यक्रम में डा0 राजेन्द्र प्रसाद डा0 मारिया इदरीसी, जफर इदरीसी, रिफत इदरीसी, मो0 नसीम इदरीसी, डा0 अरूण अरोड़ा, मिथलेश कुमार मिश्रा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

हमीरपुर –
इलेक्ट्रो होम्योपैथी का 213 वाँ जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम .....

शेष पेज 10 पर

अधिकारिता दिवस मनाया गया

प्रदेश में बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा शिक्षित, प्रशिक्षित व पंजीकृत चिकित्सकों को चिकित्सा व्यवस्याय करने का अधिकार प्राप्त है इस हेतु उत्तर प्रदेश शासन के चिकित्सा अनुभाग – 6 ने दिनांक 04 जनवरी, 2012 को शासनादेश जारी किया था, इस आदेश की तिथि को ही हम अधिकार दिवस के रूप में मनाते हैं, जिसमें प्रदेश के अनेक जनपदों में कार्यक्रम होते हैं, यह जानकारी बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने आज बोर्ड के सभागार में आयोजित अधिकार दिवस कार्यक्रम में बतायी उन्होंने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए उपस्थिति चिकित्सकों को अधिकार दिवस की बधाई देते हुए कहा कि इस कोरोना काल में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों ने ज़रूरतमन्दों को सहयोग कर जो मिसाल कायम की है वह प्रंशसनीय है, हमें इसी प्रकार ज़रूरतमन्दों का सहयोग करते रहना है क्योंकि आने वाले समय में ओमिक्रॉन और भी तेज़ी से बढ़ेगा।

बोर्ड के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 10 वर्ष का समय बीत जाने के उपरान्त भी अधिकारियों के रवैये में परिवर्तन नहीं आया है, जबकि सरकार का रूख इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रति सकारात्मक है और वह लगातार इस पर कार्य भी कर रही है।

श्री मिथलेश कुमार मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी एक अधिकार प्राप्त चिकित्सा पद्धति है इसके लिए उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 4 जनवरी, 2012 को आदेश जारी किया जा चुका है, इस आदेश का अनुपालन महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उ0प्र0 के पत्र दिनांक 2–9–2013 से क्रियान्वित हो रहा है परन्तु प्रदेश का इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक अभी भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं है, फलतः वह अभी भी स्वयं को सहज महसूस नहीं कर रहा है जबकि उन्हें चिकित्सा व्यवसाय करने हेतु पूर्ण शासकीय आदेश प्राप्त है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सर्वश्री डा0 संजय कुमार द्विवेदी, डा0 प्रमोद सिंह, डा0 राम औतार कुशवाहा, मो0 नसीम, श्रीमती शाहीना इदरीसी आदि उपस्थित हुये तथा अपने अपने विचार व्यक्त किये, अधिकारिता दिवस से सम्बन्धित कार्यक्रम एवं अन्य जनपदों से प्राप्त समाचार व छाया चित्रों को पेज 2, पेज 3, पेज 4 एवं पेज 5 पर स्थान दिया गया है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी को इलेक्ट्रो होम्योपैथी ही रहने दो

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जन्म दाता काउण्ट सीज़र मैटी ने जिस पद्धति का अविष्कार किया था उसे इलेक्ट्रो होम्यापैथी के नाम से उद्दृत किया था जो निरन्तर जारी है इलेक्ट्रो होम्योपैथी के सम्बंध में विभिन्न अवसरों पर इसकी पुष्टि भी की जा चुकी है, पुष्टि के अवसर चाहे केन्द्र सरकार के समक्ष हो अथवा राज्य सरकारों के समक्ष हो सभी अवसरों पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को इलेक्ट्रो होम्योपैथी ही माना गया है, इसमें सरकार एवं न्यायालयों ने कभी कोई भी अपनी ओर से नया नाम नहीं दिया, इधर कुछ दिनों से हमारे कुछ विद्वान साथी इसके स्वरुप को बदलने की चेष्टा कर रहे हैं जो एक गम्भीर एवं चिन्तनीय विषय बन गया है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी स्वयं अपने आप में परिपूर्ण चिकित्सा पद्धति है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी अपने नाम से विश्व में जानी पहचानी जाती है इस चिकित्सा पद्धति को विश्व स्वास्थय संगटन ने भी वर्ष 1985 में अपने पत्र में भारत सरकार को इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विषय में अवगत भी कराया था।

जब यह पद्धति अपने आप में पूर्ण है तो समझ में नहीं आता है कि विद्वान साथियों को इसके नाम से क्यों अचानक छेड़–छाड़ की जा रही है वे बताना क्या चाहते हैं ?क्या कोई नया नाम देकर विवाद पैदा करना चाहते हैं ! इससे सो सारा सिस्टम ही उलट–फेर हो जायेगा, क्या इन लोगों ने कोई नया चिकित्सा विज्ञान का अविष्कार कर डाला है ?क्या वे इस नये विज्ञान को इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जोड़कर कोई नया शगूफा पैदा कर इसे विवादित बनाने का कुचक्र रच रहे है ?

अखिर वे इलेक्ट्रो होम्योपैथी समाज को बताना क्या चाहते हैं, क्या अभी तक जो भी हम और आप जो पढ़ लिख रहे थे वह सब सही नहीं था, यह नया काम जो हो रहा है इसके पीछे किस किस का हाथ है यह उजागर होना अति आवश्यक हो गया है, तथाकथिक वैज्ञानिकों को अपनी मरयादा में रहकर कार्य करना चाहिये स्वंय को विद्वान कहलाने वाले इन लोगों को न सिर्फ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथी समाज से तिरसकार कर देना चाहिये अपितु इनका बहिष्कार भी होना आवश्यक है, भारत सरकार स्वस्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग ने तो दिनांक 21 जून, 2011 को बकायदा अपने आदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये कहा भी है कि चिकित्सा, शिक्षा, विकास एवं अनुसंधान पर कोई रोक भारत सरकार नहीं लगा रही है, यहां सोचने का विषय है कि भारत सरकार ने हमें स्वयं कहा है कि इसके अनुसंधान पर कार्य हो और हम हैं कि इसका स्वरुप ही बदलने में लगे हैं, अरे वैज्ञानिक बनने का इतना ही शौक है तो इलेक्ट्रो होम्योपैथी पर शोध कार्य आरम्भ करें इसके दवाइयों पर गहनता से अध्ययन करें, देखें इसकी दवायें शरीर पर क्या असर डाल रही हैं औषधियों में ही ढेर सारे अविष्कारों के विकल्प मौजूद हैं, शोध तो करें अनेक ऐसे विषय मिल जायेंगे जिसपर शोध होना आवश्यक है, यदि एक भी शोध आपका कारगर हो जाता है तो निःसन्देह इलेक्ट्रो होम्योपैथी जगत में आपका नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा आप मानव सेवा के मसीहा कहलायेंगे, इलेक्ट्रो होम्योपैथी जगत ही नहीं बल्कि विश्व आपका ऋणीय होगा।

वास्तव में यदि आप इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रेमी हैं, हितैषी हैं तो आज से ही अपने विचारों में परिवर्तन लायें अभी इलेक्ट्रो होम्योपैथी में अनेकों कार्य होने शेष हैं, कोई भी विषय ले लीजिये और अपनी बुद्धिमानी का परिचय देते हुये किसी टॉपिक पर शोध कार्य प्रारम्भ कर दीजिये, कहावत है कि आवश्यकता अविष्कार की जननी होती है, इसे चरितार्थ कीजिये, निसंदेह यदि आप कोई ऐसा शोध कर लेंगे जो मानवता के लिये वरदान होगा तो आपकी खोई हुयी प्रतिष्ठा तो वापस आयेगी ही और आप भी परम आनन्दित होंगे।

दिन का भूला यदि रात को घर वापस आ जाये तो उसे भूला नहीं कहते हम तो प्रभू से यही प्रार्थना करेंगे कि हे प्रभू! जो लोग इलेक्ट्रो होम्योपैथी के मार्ग से भटक गये हैं उन्हें सदबुद्धि दे, उन्हें इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिये सच्चा मार्ग दिखा, उन्हें इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रति सच्चा प्रेम दिखा, हमें आशा है कि परम पिता परमेश्वर हमारी प्रर्थना अवश्य स्वीकार करेगा और इलेक्ट्रो होम्योपैथी के मार्ग से भटके हुये लोगों को सदबुद्धि देगा।

मैटी की 213वें जन्मोत्सव के आयोजन जो देश भर में किये गये हैं उनमें जो उत्साह देखने को मिला है उससे ऐसा प्रतीत होता है कि हम परिणाम के अति निकट आ चुके हैं, इलेक्ट्रो होम्योपैथी कल भी थी, आज भी है, और अनन्त काल तक रहेगी, यदि कोई बदलना चाहेगा तो वह स्वयं बदल जायेगा परन्तु इलेक्ट्रो होम्योपैथी यथावत रहेगी।

अधिकारिता दिवस कैमरे की नज़र में

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद अधिकारिता दिवस के अवसर पर डा0 काउण्ट सीज़र मैटी को माल्यार्पण करते हुये – छाया गज़ट

बी0ई0एच0एम0 यू0पी0 लखनऊ के कार्यालय प्रभारी श्री मो0 नसीम डा0 मैटी को पुष्प अर्पित करते हुये –छाया गज़ट

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के संयुक्त सचिव श्री मिथलेश कुमार मिश्रा अधिकारिता दिवस के अवसर पर डा0 काउण्ट सीज़र मैटी को माल्यार्पण करते हुये – छाया गज़ट

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 के लीव रजिस्ट्रार डा0 संजय द्विवेदी अधिकारिता दिवस के अवसर पर डा0 काउण्ट सीज़र मैटी को माल्यार्पण करते हुये — छाया गजट

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी अधिकारिता दिवस के अवसर पर डा0 काउण्ट सीज़र मैटी को माल्यार्पण करते हुये — छाया गजट

उ0प्र0 शासन द्वारा बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसन उ0प्र0 को शासनादेश के 10 वर्ष पूर्ण होने एवं अधिकारिता दिवस के अवसर पर डा0 काउण्ट सीज़र मैटी को माल्यार्पण करते हुये मुख्य अतिथि प्रधानाचार्या डा0 शाहिना इदरीसी —छाया गजट

अधिकारिता दिवस के अवसर पर डा0 काउण्ट सीज़र मैटी को माल्यार्पण करते हुये डा0 प्रमोद सिंह

अधिकारिता दिवस के अवसर पर डा0 काउण्ट सीज़र मैटी को माल्यार्पण करते हुये कुशवाहा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर के प्रमुख डा0 राम अवतार कुशवाहा —छाया गजट

अधिकारिता दिवस के अवसर पर बुन्देल खण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर हमीरपुर में भाग लेने आये हुये जनपद फतेहपुर के डा0 देवानन्द सागर व अन्य चिकित्सक—छाया गजट

अधिकारिता दिवस के अवसर पर अक्ष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट लखनऊ में मैटी जी को माला पहनाते हुये 1—सहायक प्राचार्य डा0 असुतोष कपूर, 2—श्री कृष्ण शर्मा एवं 3— श्री गुरूजी — छाया गजट

पूरे प्रदेश के इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों ने धूम–धाम से मनाया अधिकारिता दिवस

हमीरपुर

इलेक्ट्रो होम्योपैथी का 11 वां अधिकारिता दिवस धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम के शुभारम्भ में डा0 मैटी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया कार्यक्रम में डा0 नरेन्द्र भूषण निगम ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी विधा से चिकित्सा करने का पूर्ण अधिकार प्रदेश शासन चिकित्सा अनुभाग–6 द्वारा दिया गया है बुन्देलखण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर, पटकाना, हमीरपुर में मनाये जा रहे अधिकारिता दिवस में डा0 गणेश सिंह जिला प्रभारी अधिकारी ने कहा कि जो चिकित्सक इलेक्ट्रो होम्योपैथी विधा से कार्य कर रहे हैं वे अपना जिला स्तरीय पंजीयन करा करके ही प्रैक्टिस करें।

इस अवसर पर डा0 मानसी ने कहा कि सभी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सक अपने क्लीनिक में साइनबोर्ड लगायें बोर्ड में अपनी योग्यता व जिला पंजीयन संख्या अवश्य लिखें, डा0 मेहेर मधुर निगम ने कहा कि चिकित्सकों का पंजीयन बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 लखनऊ करेगा, जिनका पंजीयन बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन ,उ0 प्र0 लखनऊ करेगा वही इलेक्ट्रो होम्योपैथी से प्रदेश में प्रैक्टिस कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम में निम्नलिखित चिकित्सकों ने अपने विचार व्यक्त किये सर्वश्री डा0 देवानन्द सागर, डा0 अरूण त्रिपाठी, डा0 कंचन गुप्ता, डा0 दुर्गेश, डा0 रंजना , डा0 नम्रता, डा0 विजय शंकर, डा0 रजनीज खरे, डा0 शरद, डा0 प्रियंका, अंश निगम एवं चन्दभूषण आदि।

रायबरेली

इलेक्ट्रो होम्योपैथी एक अधिकार प्राप्त चिकित्सा पद्धति है यह उद्गार आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट के प्राचार्य डा0 पी0 एन0 कुशवाहा ने अधिकारिता दिवस के अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, डा0 कुशवाहा ने बताया कि उ0प्र0 शासन द्वारा 4 जनवरी, 2012 को आदेश जारी किया गया था इस आदेश के अनुपालन हेतु महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उ0प्र0 ने भी 2 सितम्बर, 2013 को समस्त अपर निदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारियों उ0प्र0 को निर्देश जारी कर दिया था।

डा0 कुशवाहा ने कहा कि अभी भी प्रदेश का इलेक्ट्रो होम्योपैथ अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं है वह अभी भी अपने को असुरक्षित तथा असहज महसूस कर रहा है जबकि इसका कोई कारण समझ में नहीं आता है हम लोग हर तरह से सुरक्षित हैं केवल चिकित्सकों को चाहिये कि वह अपनी पद्धति से प्रैक्टिस करें।

डा0 रमेश कुमार द्विवेदी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आप लोग अपने खुले मन से अधिकार पूर्वक प्रैक्टिस करें कहीं कोई बाधा नहीं है।

कार्यक्रम में लैकोक सिहं, सत्यपाल वर्मा, रामआसरे, राजेन्द्र सिहं, छोटेलाल, रिन्कू, दिनेश चन्द्र, सुनील कुमार, जितेन्द्र कुमार, विनोद कुमार, मलखान, सौरभ वैध्य आदि उपस्थित थे।

सिरसागंज

सिरसागंज, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर पर अधिकारिता दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम का शुभारम्भ सेन्टर के प्राचार्य एवं जनपद फिरोज़ाबाद के जिला प्रभारी अधिकारी डा0 मुहम्मद इसरार खान ने डा0 मैटी के चित्र पर माल्यार्पण कर किय, कार्यक्रम में अनेक चिकित्सकों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये जिनमें से निम्न लोग प्रमुख थे सर्वश्री डा0 राजीव लोहिया, डा0 श्रीमती कौशर बेगम, शमीम बेगम, डा0 राणा प्रताप, लाल बहादुर, मनोज कुमार, खेम सिंहं, खुशबू रानी, श्री वीरेन्द्र कुमार, वसीम, राजू , देवराज सिंह एवं धर्मेन्द्र कुमार आदि।

फिरोज़ाबाद

अधिकारिता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक के प्रतिनिधि एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री चन्द्रवीर सिहं यादव ने अपने विचार रखते हुए कहा कि आप लोग इसी तरह अपना कार्य इमानदारी के साथ करते रहें निश्चित तौर पर एक न एक दिन आपकी पैथी को मान्यता अवश्य मिल जायेगी, उन्होंने कहा कि हम मीडिया के माध्यम से आप लोगों द्वारा समय समय पर हो रहे कार्यक्रमों को पढ़ते रहते हैं आज सौभाग्य से आपके बीच आने का अवसर मिला इसके लिए आप सबको बधाई।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से निम्न लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये सर्वश्री डा0 भूपेन्द्र बघेल, डा0 विनोद आर्या, डा0 अनुज कुमार, डा0 जगवीर सिंह, डा0 विनोद कुमार आदि।

कार्यक्रम की अध्यक्षता फिरोज़ाबाद स्टडी सेन्टर के प्राचार्य डा0 एस0 के0 पाल तथा संचालन डा0 मुकेश कुमार ने किया।

लखीमपुर

आज बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी के सफल प्रयास और स्वच्छ तथा भारत सरकार के नियमों के अनुरूप कार्य करने के कारण हमारे इन्सटीट्यूट के छात्र के अधिकार पूर्वक चिकित्सा व्यवसाय कर परिवार और समाज में गौरव प्राप्त कर रहे हैं उक्त विचार माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट में आयोजित अधिकारिता दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि योग संस्थान की जिला प्रधान श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव ने व्यक्त किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही डा0 संजीता शर्मा ने सभी छात्रों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया, इन्सटीट्यूट के प्रचार्य डा0 राकेश शर्मा ने उ0प्र0 शासन द्वारा बोर्ड के प्रति जारी शासनादेश की विस्तृत जानकारी दी, जिला फाइलेरिया के अधिकारी श्री एस0 पी0 मिश्र व डा0 अमित विश्वकर्मा ने सभी से जिला पंजीयन पर बल दिया, इस अवसर पर छात्र चिकित्सक श्रीमती आइसा एजाज, शुभांगी रमन दीप कौर, मनप्रीत कौर पाण्डेय, श्रीमती गीरा मिश्रा, मंजीत कश्यप, श्रीमती किरन गुप्ता, अभिषेक कुमार, श्रीमती दुर्गेश नन्दनी, डा0 राबिया, श्री अंकित कुमार, मनोज शर्मा, रामकुमार मौर्य, श्याम जी गुप्ता, प्रतीक्षा बाजपेयी एवं कीर्तिका आदि ने भी सम्बोधित किया।

बुन्देल खण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर में अधिकारिता दिवस कार्यक्रम की एक झलक – छाया गजट

लखीमपुर के डा0 आर0के0शर्मा साक्षात्कार देते हुये।

माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट में बड़े हर्षोल्लास पूर्वक अधिकारिता दिवस कार्यक्रम मनाया गया एवं प्रमाण पत्र वितरित किये गये

धूम–धाम से मनाया गया अधिकारिता दिवस पेज 4 से आगे

चित्र 1– में सिरसागंज इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर के प्रमुख डा0 मो0 इसरार खान अधिकारिता दिवस पर डा0 मैटी को माल्यार्पण करते, चित्र 2– में डा0 राजीव को माला पहना कर सम्मानित करते हुये — छाया गजट

बुन्देल खण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर में अधिकारिता दिवस पर डा0 काउण्ट सीज़र मैटी को माल्यार्पण करते हुये एक चिकित्सक — छाया गज़ट

फिरोज़ाबाद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर में अधिकारिता दिवस के अवसर पर डा0 शिव कुमार पाल एवं इनके सहयोगी चिकित्सक द्वारा डा0 काउण्ट सीज़र मैटी को माल्यार्पण किया गया — छाया गजट

माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीटयूट में अधिकारिता दिवस के अवसर श्रीमती शर्मा इन्सटीटयूट के छात्रों/छात्रत्रओं को सम्बोधित करते हुये

धूम–धाम से मनाया गया मैटी का जन्मोत्सव

मैटी जन्मोत्सव पर मंच पर विराजमान क्रमशः बांये से दाये श्रीमती शाहिना इदरीसी (प्राचार्या) मध्य में बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी एवं पास्टर विक्टर खोजी – छाया गज़ट

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद मैटी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये – छाया गज़ट

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 213 वें जन्मोत्सव पर मंच पर बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के लीव रजिस्ट्रार डा0 संजय कुमार द्विवेदी अपने कार्यकाल के संस्मरण सुनाते हुये – छाया गज़ट

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 213 वें जन्मोत्सव पर मंच पर बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 से सम्बद्ध कुशवाहा इलेक्ट्रो होम्यापैथिक स्टडी सेन्टर के संस्थापक डा0 राम अवतार कुशवाहा मैटी का जीवन परिचय बताते हुये – छाया गज़ट

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 213 वें जन्मोत्सव के अवसर पर डा0 नन्द लाल सिन्हा के अंतिम शिष्य डा0 वाई0 आई0 खान ने स्व0 सिन्हा के बारे में बताते हुये एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति पर प्रकाश डालते हुये – छाया गज़ट

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 213 वें जन्मोत्सव पर मंच पर बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 से रजिस्टर्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक डा0 इक्बाल अहमद अन्सारी इलेक्ट्रो होम्योपैथी की औषधियों पर चर्चा करते हुये – छाया गज़ट

धूम–धाम से मनाया गया मैटी का जन्मोत्सव

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 213 वें जन्मोत्सव के अवसर पर श्रीमती रिफ़त इदरीसी डा0 काउण्ट सीज़र मैटी को माल्यार्पण करते हुये — छाया गज़ट

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 213 वें जन्मोत्सव के अवसर पर मंच से बुन्देल खण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट के पूर्व प्राचार्य डा0 प्रमोद कुमार सिंह अपने विचारो को साझा करते हुये — छाया गज़ट

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 213 वें जन्मोत्सव के अवसर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी को माल्यार्पण करते हुये डा0 अरुण कुमार अरोड़ा — छाया गज़ट

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 213 वें जन्मोत्सव के अवसर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियों के बारे में हर औषधि का अलग – अलग विश्लेषण करते हुये अपने विचार साझा किये — छाया गज़ट

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 213 वें जन्मोत्सव के अवसर पर श्रीमती मारिया इदरीसी डा0 काउण्ट सीज़र मैटी को माल्यार्पण करते हुये — छाया गज़ट

बोर्ड आफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0 प्र0 लखनऊ के कार्यालय प्रभारी श्री मोहम्मद नसीम इदरीसी डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 213 वें जन्मोत्सव के अवसर पर डा0 काउण्ट सीज़र मैटी को माल्यार्पण करते हुये — छाया गज़ट

धूम–धाम से मनाया गया मैटी का जन्मोत्सव

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल ऐसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के संयुक्त मंत्री डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी को उनके 213वें जन्म दिवस पर माल्यार्पण करते हुये – छाया गज़ट

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 213वें जन्म दिवस पर बोर्ड के ऑडिटोरियम हॉल में कड़ाके की ठण्ड में भी गर्मी का माहौल रहा ऑडिटोरियम में दूर–दूर से आये हुये चिकित्सक व इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रेमी – छाया गज़ट

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 द्वारा आयोजित मैटी के 213वें जन्मोत्सव पर श्री ज़फर इदरीसी डा0 काउण्ट सीज़र मैटी को माल्यार्पण करते हुये छाया गज़ट

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 की एक महिला चिकित्सक ने तो अपने दिल्ली निवास में महात्मा मैटी का जन्म दिन अपने बच्चों के साथ मिलकर मना डाला यह तस्वीर खूब वाइरल हो रही है फेसबुक से साभार

मैटी का जन्मोत्सव के छाया चित्र अन्य संस्थानों के

माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट के छात्र छात्राओं ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 213वें जन्मोत्सव पर डा0 काउण्ट सीज़र मैटी को माल्यार्पण करते हुये –छाया गज़ट

माँ सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट के प्राचार्य डा0 राकेश शर्मा इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 213वें जन्मोत्सव पर डा0 काउण्ट सीज़र मैटी को माल्यार्पण करते हुये –छाया गज़ट

आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट के प्राचार्य डा0 पी0एन0 कुशवाहा माल्यार्पण करते हुये

बुन्देल खण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर हमीरपुर में मैटी उत्सव पर चित्र 1 में डा0नरेन्द्र भूषण निगम व सटाफ़ चित्र 2 में अतिथिगण मैटी जन्मोत्सव में भाग लेते हुये चित्र 3 में संस्था प्रमुख केक काटते

चित्र 4 में बुन्देल खण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर हमीरपुर के चिकित्सक व स्टाफ ने बारी बारी से महात्मा डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 123 जयन्ती के अवसर पर माल्यार्पण किया एवं एक दूसरे को बधाई दी।

आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट में डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के जन्मोत्सव मनाने के लिये रायबरेली के चिकित्सकों ने पूरे जोश के साथ कार्यक्रम में उपस्थित हुये– छाया गज़ट

मैटी का जन्मोत्सव के छाया चित्र अन्य संस्थानों के

धनपत लाल मेमोरियल मेडिकल स्टडी सेन्टर ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी, नौतनवा, महाराजगंज के प्रमुख डा0 प्रिंस श्रीवास्तव ने 11 जनवरी को मैटी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया साथ ही 12 जनवरी को स्वामी विवेकानन्द जी की जयन्ती भी हर्षोल्लास पूवर्क आयोजित किया बाये डा0 प्रिंस श्रीवास्तव एव दाये आये हुये अतिथिगण।

शाहगंज इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट शाहगंज, जौनपुर में में डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के जन्मोत्सव के अवसर पर मैटी के चित्र पर संस्थान के प्रमुख डा0 एस0 एन0 राय डा0 मैटी के चित्र पर माल्यार्पण करतें हुये, दूसरे चित्र में मुख्य अतिथि को माला पहना कर सम्मानित किया, तीसरे चित्र में कार्यक्रम में आये हुये अतिथि।

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी का 213 वाँ .....पेज 1 से आगे

का शुभारम्भ डा0 मैटी के चित्र पर माल्यार्पण एवं केक काटकर किया गया जन्म दिवस समारोह के मुख्य अतिथि वैज्ञानिक डा0 मुस्तफा ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दवायें अत्याधिक कारगर हैं, विशिष्ट अतिथि डा0 प्रशांत राय ने कहा कि उच्च स्तरीय शोध की आवश्यकता है जिससे इलेक्ट्रो होम्योपैथी उच्च शिखर पर पहुंचे क्योंकि यह हानि रहित चिकित्सा पद्धति है बुन्देलखण्ड प्रभारी डा0 नरेन्द्र भूषण निगम ने कहा कि ज़िले में अधिक से अधिक इलेक्ट्रो होम्योपैथी धर्मार्थ चिकित्सालय खोलने की आवश्यकता है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी स्टडी सेंटर के सलाहकार व प्रभारी डा0 गणेश सिंह विद्यार्थी ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी को विशेष विस्तार से बताया, संयोजक डा0 मानसी ने कहा कि हमें यह संकल्प लेना है कि हम जन जन में जाकर जागरूकता फैलायेंगे, इस मौके पर डा0 मेहेर मधुर निगम, डा0 देवानन्द सागर, डा0 राजपाल सिंह, डा0 अरूण त्रिपाठी, डा0 सुनीता सागर, डा0 विपाशा, डा0 कंचन गुप्ता, डा0 प्रियंका, चन्द्रभूषण, डा0 पूजा, डा0 रंजना विश्वकर्मा, डा0 नम्रता, डा0 दुर्गेश, डा0 अरशद अंसारी, विजयशंकर, संतोष आदि उपस्थित थे।

रायबरेली – इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी का 213 वाँ जन्मदिवस आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट छजलापुर रायबरेली में धूम–धाम से मनाया गया इस अवसर पर डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के चित्र पर सभी चिकित्सकों ने माल्यार्पण किया, आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट के प्राचार्य डा0 पी0 एन0 कुशवाहा ने डा0 मैटी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आपका जन्म 11 जनवरी, 1809 में इटली के बोलोग्ना में एक ज़मीदार परिवार में हुआ था उनकी उच्चकोटि की शिक्षा दीक्षा से दलितों एवं गरीबो में अगाध प्रेम था इसलिए उन्होंने चिकित्सा सेवा का बृत लेकर जड़ी–बूटियों से निर्मित अर्क के रूप में इलेक्ट्रो होम्योपैथी को जन्म दिया।

इन्सटीट्यूट के उप प्राचार्य डा0 रमेश कुमार द्विवेदी ने कहा कि अभी भी प्रदेश का इलेक्ट्रो होम्योपैथ अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं हुआ है वह अभी भी अपने को असुरक्षित तथा असहज महसूस कर रहा है जबकि इसका कोई कारण समझ में नहीं आता है हम लोग हर तरह से सुरक्षित हैं केवल चिकित्सकों को चाहिये कि वह अपनी पद्धति से प्रैक्टिस करें।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी दवाओं के निर्माता डा0 एम0 एन0 खान ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि डा0 मैटी एक महान दानी प्रवृति के थे उन्होंने 1895 में एक दक्षिण भारत के अस्पताल को एक भारी भरकम रूपये दान में दिये थे एवं उसका निर्माण भी कराया था डा0 खान ने आये हुए चिकित्सकों से कहा कि आप लोग अपने खुले मन से अधिकारपूर्वक प्रैक्टिस करें कहीं कोई बाधा नहीं है।

कार्यक्रम में लैकोक सिहं, राम विसाल, श्रद्धा मौर्या, राम प्रताप यादव, सत्यपाल वर्मा, रामआसरे, राजेन्द्र सिहं, छोटेलाल, रिन्कू , दिनेशचन्द्र, सुनील कुमार, जितेन्द्र कुमार, विनोद कुमार, मलखान, सौरम वैश्य आदि उपस्थित रहे।

इस भव्य समारोह के अवसर पर समाजसेवी के0 के0 श्रीवास्तव तथा वरिष्ठ नेता रामदीन विश्वकर्मा को सम्मानित भी किया गया।

सिरसागंज – सिरसागंज, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर सिरसागंज, फिरोज़ाबाद में डा0 मैटी का 213 वाँ जन्म दिवस बड़े हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया कार्यक्रम का शुभारम्भ सेन्टर के प्राचार्य एवं जनपद फिरोज़ाबाद के ज़िला प्रभारी अधिकारी डा0 मुहम्मद इसरार खान ने डा0 मैटी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया, कार्यक्रम में अनेक चिकित्सकों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये जिनमें से निम्न लोग प्रमुख थे सर्वश्री डा0 राजीव लोहिया, डा0 कौशर बेगम, शमीम बेगम, डा0 राणा प्रताप, लाल बहादुर, मनोज कुमार, खेम सिंह, खुशबू रानी, वीरेन्द्र कुमार, वसीम, राजू , देवराज सिंह एवं धर्मेन्द्र कुमार आदि।

लखीमपुर – इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी का 213 वाँ जन्मदिवस बड़े धूम–धाम से मनाया गया इस अवसर पर इन्सटीट्यूट के प्राचार्य डा0 राकेश कुमार शर्मा ने कहा कि मैटी एक महात्मा और युग पुरूष थे जिन्होंने समाज और देश के लिए सदैव अपने को न्यौछावर किया वह एक मसीहा थे और आज भी हम लोगों के लिए पूज्यनीय हैं, कार्यक्रम में प्रमुख रूपसे अंशिका गुप्ता, शौर्या सिहं, श्रीमती रूबी नाज, अर्चना विश्वकर्मा, पलक गुप्ता, शिवांगी शुक्ला, अरसद अली आदि उपस्थित हुये तथा छात्र चिकित्सकों ने संयुक्त रूप से केक काटा।

डा0 अमित विश्वकर्मा ने डा0 मैटी का जीवन परिचय विस्तृतरूप से बताया कार्यक्रम का संचालन डा0 मंजीत कश्यप ने किया।

शाहगंज (जौनपुर)– इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अविष्कारक डा0 काउण्ट सीज़र मैटी का 213 वाँ जन्मदिवस शाहगंज इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट, शाहगंज, जौनपुर में धूम–धाम से मनाया गया सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा0 डी0 के0 श्रीवास्तव जी ने डा0 मैटी के चित्र पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया श्री श्रीवास्तव ने बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दवा सस्ती एवं हानिरहित है आप सभी लोग इस पैथी का प्रचार प्रसार और अधिक करें।

विशिष्ट अतिथि डा0 एस0 पी0 अस्थाना ने अपने विचार देते हुए कहा कि इस पैथी के चिकित्सक प्रैक्टिस करते हुए सभी जगह दिख जाते हैं उन चिकित्सकों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं, इन्सटीट्यूट के प्राचार्य डा0 एस0 एन0 राय जी ने मैटी के चित्र पर माल्यार्पण कर आये हुए दोनों अतिथियों को माला पहनाकर सम्मानित किया, उन्होंने अपने विचार देते हुए कहा कि जो लोग कोर्स पूरा कर चुके हैं वह अपना रजिस्ट्रेशन बोर्ड से करायें तथा ज़िला स्तरीय पंजीयन कराकर ही अपनी पैथी से प्रैक्टिस करें किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सर्वश्री डा0 रमेश चन्द्र, डा0 राम हरज, डा0 एम0 के0 बिन्द, डा0 विजय विश्वकर्मा, डा0 सन्दीप राय आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

नोट– गजट कार्यालय को जो भी समाचार व छाया चित्र प्राप्त हुये हमने उसे प्रकाशित किया है यदि किसी का समाचार रह गया हो तो यह समझें कि समय से कार्यालय को प्रेषित समाचार प्राप्त नहीं हुआ। सम्पादक

बी0ई0एच0एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–208014 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।